

1. प्राथमिक विद्यालय को किसने और कहाँ स्थापित किया?

- **उत्तर:** प्राथमिक विद्यालय को **प्रशासन (सरकार)** द्वारा **भीखनटोला** नामक दुर्गम गाँव में स्थापित किया गया था।

2. नये शिक्षक के किस प्रभाव से रामप्रवेश राम खुश थे?

- **उत्तर:** नये शिक्षक की **नवीन शिक्षण शैली** (पढ़ाने के अनोखे ढंग) तथा उनके **सरस एवं कृपालु स्वभाव** से प्रभावित होकर रामप्रवेश राम अत्यधिक खुश थे।

3. पिता के अर्थाभाव में पैसे की व्यवस्था कैसे हुई?

- **उत्तर:** पिता के पास धन की कमी (अर्थाभाव) होने पर भी रामप्रवेश राम ने **छात्रवृत्ति (Scholarship)** प्राप्त करके और अपने से **छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर** पैसे की व्यवस्था की और अपनी उच्च शिक्षा जारी रखी।

4. स्वाध्याय और विषय का व्यापक ज्ञान के द्वारा रामप्रवेश राम क्या प्राप्त किये?

- **उत्तर:** स्वाध्याय और कड़े परिश्रम के बल पर रामप्रवेश राम ने **केंद्रीय लोक सेवा (UPSC) परीक्षा में सर्वोच्च स्थान** प्राप्त किया और समाज में उच्च प्रतिष्ठा एवं आदर पाया।

5. पण्डित किसे कहा जाता है?

- **उत्तर:** 'नीतिश्लोकाः' पाठ के अनुसार, जिस व्यक्ति के सत्कर्मों में **शीत (ठंड), उष्ण (गर्मी), भय, भावुकता, समृद्धि अथवा असमृद्धि** बाधा नहीं पहुँचाते हैं, तथा जो सभी जीवों के रहस्यों को जानने वाला है, उसे **पण्डित** कहा जाता है।

6. कौन-कौन श्रोता और वक्ता दुर्लभ हैं?

- उत्तर: संसार में प्रिय लेकिन हितकारी (कल्याणकारी) सत्य बोलने वाले वक्ता और उस कड़वे सत्य को धैर्यपूर्वक सुनने वाले श्रोता दोनों ही अत्यंत दुर्लभ हैं।

7. मूढ़चेता नराधम किसे कहा गया है?

- उत्तर: जो व्यक्ति बिना बुलाए किसी के घर प्रवेश करता है, बिना पूछे बहुत बोलता है और अविश्वासी (भरोसा न करने योग्य) मनुष्यों पर विश्वास करता है, उसे नीतिशास्त्र में मूढ़चेता नराधम (मूर्ख और नीच मनुष्य) कहा गया है।

8. रूप की रक्षा कैसे होती है?

- उत्तर: रूप की रक्षा मृजया यानी उबटन, स्वच्छता और साफ-सफाई से होती है।

9. 'परमा तृप्ति' किसको कहा गया है?

- उत्तर: विद्या को 'परमा तृप्ति' (सर्वोच्च संतोष और आनंद देने वाली) कहा गया है।

10. छः दोष कौन-कौन से हैं?

- उत्तर: ऐश्वर्य और उन्नति चाहने वाले मनुष्य को इन 6 दोषों का त्याग कर देना चाहिए:

1. निद्रा (अधिक नींद लेना)

2. तन्द्रा (ऊँघना/सुस्ती)

3. भय (डर)

4. क्रोध (गुस्सा)

5. आलस्य (काम न करने की इच्छा)

6. दीर्घसूत्रता (काम को टालने या धीमे करने की आदत)

11. सीमन्तोन्नयन संस्कार क्या होता है?

- **उत्तर:** यह जन्म से पूर्व होने वाला संस्कार है। इसमें गर्भवती स्त्री की प्रसन्नता और गर्भस्थ शिशु की रक्षा व उसके मानसिक विकास के लिए धार्मिक क्रियाएँ की जाती हैं।

12. समावर्तन संस्कार में क्या-क्या होता था?

- **उत्तर:** समावर्तन संस्कार का मुख्य उद्देश्य शिष्य का गुरु के घर से अलग होकर गृहस्थ जीवन में प्रवेश करना होता था। शिक्षा समाप्त होने पर गुरु शिष्य को जीवनोपयोगी उपदेश (जैसे- सदा सत्य बोलना, धर्म का आचरण करना आदि) देकर विदा करते थे।

13. शैक्षणिक संस्कार कौन-कौन से हैं?

- उत्तर: शिक्षा काल में कुल पाँच संस्कार होते हैं: अक्षरारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त (गोदान), और समावर्तन।

14. संस्कार की आवश्यकता क्यों है?

- उत्तर: संस्कार मानव जीवन में सद्गुणों का निर्माण करने तथा दुर्गुणों/दोषों को दूर करने के लिए आवश्यक हैं। इनसे मनुष्य परिमार्जित, शुद्ध, सभ्य और अनुशासित बनता है।

15. 'भारतमहिमा' पाठ में प्रथम दो श्लोक कहाँ से लिये गये हैं?

- उत्तर: भारतमहिमा पाठ का प्रथम श्लोक विष्णुपुराण से तथा द्वितीय श्लोक भागवतपुराण से लिया गया है।

15. 'भारतमहिमा' पाठ में प्रथम दो श्लोक कहाँ से लिये गये हैं?

- **उत्तर:** भारतमहिमा पाठ का प्रथम श्लोक विष्णुपुराण से तथा द्वितीय श्लोक भागवतपुराण से लिया गया है।

16. भारतमहिमा के विषय में आधुनिक कवियों ने क्या कहा है?

- **उत्तर:** आधुनिक कवियों ने कहा है कि **भारत भूमि स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने का मुख्य मार्ग है।** यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अनुपम है और यहाँ जन्म लेने वाले मनुष्य देवताओं के समान धन्य हैं।

17. महिला लेखिकाओं का संस्कृत साहित्य में क्या योगदान है?

- **उत्तर:** संस्कृत साहित्य की समृद्धि में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। वैदिक युग से लेकर आज तक ऋषिकाओं और कवयित्रियों ने अनेक काव्यों, महाकाव्यों और नाटकों की रचना कर इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखा है।

18. तीन आधुनिक संस्कृत लेखिकाओं के नाम बताएँ।

- **उत्तर:** तीन प्रमुख आधुनिक संस्कृत लेखिकाएँ निम्नलिखित हैं:
 1. पण्डिता क्षमाराव
 2. वनमाला भवालकर
 3. मिथिलेश कुमारी मिश्र

19. मैत्रेयी कैसी महिला थीं?

- **उत्तर:** मैत्रेयी दर्शनशास्त्र में गहरी रुचि रखने वाली एक दार्शनिक स्वभाव की विदुषी महिला थीं, जिन्हें उनके पति महर्षि याज्ञवल्क्य ने आत्मतत्त्व की शिक्षा दी थी।
-

26. निर्धन छात्र कोष से सहायता हेतु अपने प्रधानाध्यापक को संस्कृत में आवेदन पत्र लिखें।

सेवाग्राम्,

माननीया: प्रधानाध्यापक महोदयाः,

राजकीय उच्च विद्यालयः, पटना।

विषयः - निर्धन छात्रकोषात् सहायतार्थं प्रार्थना पत्रम्।

महाशय,

सविनयं निवेदनं अस्ति यत् मम पिता एकः निर्धनः

कृषकः अस्ति। तस्य मासिक आयः अतीव न्यूनः

अस्ति, येन मम परिवारस्य भरण-पोषणं कठिनतया

भवति। अहं विद्यालयस्य शिक्षण-शुल्कं तथा

पुस्तकानां मूल्यं दातुं असमर्थः अस्मि।

अतः प्रार्थये यत् मह्यं विद्यालयस्य निर्धन छात्रकोषात्

आर्थिक सहायतां प्रदाय अनुगृह्यन्तु। इसके लिए मैं

सदा आपका आभारी रहूँगा।

भवतः आज्ञाकारी छात्रः

नामः [अपना नाम लिखें]

कक्षा: दशमी, **अनुक्रमांकः** [रोल नंबर]

27. संस्कृत में कारक कितने हैं? विस्तार से लिखें।

- **उत्तर:** संस्कृत व्याकरण में मूल रूप से 6 कारक माने जाते हैं (क्योंकि सम्बन्ध और सम्बोधन का क्रिया के साथ सीधा सम्बन्ध नहीं होता)। क्रिया के साथ सीधे जुड़ने वाले ये ६ कारक इस प्रकार हैं:
 1. **कर्ता कारक (प्रथमा विभक्ति):** क्रिया को स्वतंत्र रूप से करने वाला। (उदा: रामः पठति।)
 2. **कर्म कारक (द्वितीया विभक्ति):** क्रिया का फल जिस पर पड़ता है। (उदा: सः पुस्तकं पठति।)
 3. **करण कारक (तृतीया विभक्ति):** क्रिया को करने में जो सबसे सहायक साधन हो। (उदा: अहं कलमेन लिखामि।)

4. **सम्प्रदान कारक (चतुर्थी विभक्ति):** जिसके लिए कार्य किया जाए या जिसे कुछ स्थायी रूप से दान दिया जाए। (उदा: नृपः विप्राय धनं ददाति।)

5. **अपादान कारक (पञ्चमी विभक्ति):** जिससे कोई वस्तु या व्यक्ति अलग होती है। (उदा: वृक्षात् पत्रं पतति।)

6. **अधिकरण कारक (सप्तमी विभक्ति):** जो क्रिया के होने का आधार या स्थान होता है। (उदा: खगाः वृक्षे वसन्ति।)

28. 'सहाथै तृतीया' सूत्र की व्याख्या करें।

- **उत्तर: सूत्र की व्याख्या:** इस सूत्र के अनुसार, जब वाक्य में सह, साकम्, सार्धम्, समम् (इन सभी का अर्थ 'साथ' होता है) शब्दों का प्रयोग किया जाता है, तो वाक्य के **अप्रधान (गौण) पद** में **तृतीया विभक्ति** लगाई जाती है।
- **उदाहरण:** रामेण सह सीता वनं गच्छति। (यहाँ मुख्य रूप से सीता वन जा रही हैं, और राम उनके साथ जा रहे हैं, इसलिए अप्रधान पद 'राम' में तृतीया विभक्ति लगकर **रामेण** बना है)।